सांची बोलूं तो म्हारे परिवार ने तू ही संभाले रे भजन लिरिक्स

सांची बोलूं तो म्हारे परिवार ने,
तू ही संभाले रे सांची बोलूं तो,
तू खर्चों भेजे तो घर को,
तू खर्चों भेजे तो घर को,
चौको चाले रे, सांची बोलूं तो।bd।

तर्ज – धमाल।

तू ही मालिक घर को मैं,
थारो ही हुकुम बजावा रे,
थारी मर्जी बिन इ घर में,
पत्तो न हाले रे,
साँची बोलूं तो,
साँची बोलूं तो म्हारे परिवार ने,
तू ही संभाले रे साँची बोलूं तो।bd।

थारे ही सर पे म्हारे परिवार,
की जिम्मेदारी है,
ब्याह ठीचा भी घर का सगला,
तू ही संभाले रे,
साँची बोलूं तो,
साँची बोलूं तो म्हारे परिवार ने,
तू ही संभाले रे साँची बोलूं तो।bd।

तेरे होते सोते म्हारो तो,
कोई के कर लेसी,
आने से पहले ही म्हारा,
तू संकट टाले रे,
साँची बोलूं तो,
साँची बोलूं तो म्हारे परिवार ने,
तू ही संभाले रे साँची बोलूं तो।bd।

कदे कदे मैं सोचूं तू ना हो तो,
म्हारो कई हो तो,
सांनू खुद से मां चलतो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

परिवार यो म्हारो रे,
साँची बोलूं तो,
साँची बोलूं तो म्हारे परिवार ने,
तू ही संभाले रे साँची बोलूं तो।bd।

सांची बोलूं तो म्हारे परिवार ने,
तू ही संभाले रे सांची बोलूं तो,
तू खर्चों भेजे तो घर को,
तू खर्चों भेजे तो घर को,
चौको चाले रे, सांची बोलूं तो।bd।

स्वर / प्रेषक – जया पवन आचार्य।
लेखक – सुनील गुप्ता 'सोनु'।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com